

9/6/2 प्रावली पेडा भदि. उग्रपक्ष हाजिर। डा.दि.
 रेल्यादि 9 ने रत्नाकेष पेडा करने हेतु अक्षर
 पाटा) क. ना. पेडी पर भावभूत रूप से रत्नाकेष
 पेडा कर वधम कर। प्रावली दिनांक 9/6/2 के पेडा हो

9/6/2 प्रावली पेडा भदि. उग्रपक्ष हाजिर। डा.दि. रेल्या
 की मोर से रत्नाकेष पेडा वधम भदि उग्रपक्ष उनी
 गि। प्रावली का मु. करे म दिनांक 9/6/2 के पेडा हो

12/6/2 प्रावली पेश हुई। वकील/ उग्रपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। प्रावली पूर्वदिनांकानुसार
 दिनांक 20/6/2 को पेश हो।

20/6/2 प्रावली पेडा भदि. उग्रपक्ष हाजिर। वधम भदि. उग्रपक्ष
 र्वे के मु. करे म गि, वधम पर मनन किया गया। प्रावली पर
 उपरोक्त रत्नाकेषों का अकालोक्त किया गया। अपीदि
 अपीमान के स्वीकार किया जा रहा है। निगम मामला कि
 लिखा जाते आरम्भ प्रावली भिन्ना। प्रावली के तले
 कुमार होकर नया सिमम हो, डा.दि. रेल्यादि
 आज पूर्वदिनांक से पुनः किया गया।

उग्रपक्ष अधिकारी
 साकर (राज.)